● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 तीन नाबालिगों की कराई जबरन शादी, ग्राम विकास ट्रस्ट ने दर्ज कराया मामला

04 डॉ. आशुतोष शरण को ज्ञानसागर सम्मान

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 04 फरवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 347

अदालत से आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को राहत

राउज एवेन्यू अदालत ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने की दी अनुमति

बीएनएम@नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की राउज एवेन्यू अदालत ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह को राहत देते हुए उन्हें पांच फरवरी को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने की अनुमति दे दी।

अदालत की इजाजत के बाद श्री सिंह दोबारा राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेंगे।

अदालत ने जेल अधिकारियों को श्री सिंह को सोमवार सुबह 10 बजे संसद ले जाने का निर्देश दिया। आप सांसद ने शुक्रवार को अदालत से संसद के बजट सत्र में शामिल होने के लिए अनुमति मांगी थी। पार्टी सूत्रों ने यहां

बताया कि अदालत ने आज उन्हें शपथ लेने की मंजूरी दे दी। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और श्री सिंह को हालांकि दिल्ली शराब घोटाले मामले में अदालत से राहत नहीं मिली है।

दरअसल अदालत ने दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत अब 17 फरवरी तक बढ़ा दी है। इससे पहले 20 जनवरी को दिल्ली अदालत ने आप के दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत को तीन फरवरी तक बढ़ा दी थी। 'आप' के दोनों नेताओं को शराब घोटाले में न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया था। इस बार फिर से उनकी न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया गया है।

अदालत में बहस के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सरकारी गवाह के बयान की सीसीटीवी फुटेज का ऑडियो नदारत पाया। सूत्रों ने कहा कि ईडी द्वारा दायर कई फुटेज-वीडियो में अनियमितताएं पाई गईं, जिनमें ऑडियो का अभाव और गडबड़ी पायी।

सूत्रों ने कहा कि जब अदालत ने कल ईडी की हिरासत में दर्ज किए गए बयान के सीसीटीवी फुटेज और वीडियो की समीक्षा करने का प्रयास किया तो उसमें अनियमितता पायी। अदालत ने जब कल सीसीटीवी फुटेज और ईडी की हिरासत में दर्ज बयान के वीडियो की जांच करने की कोशिश की तो दोनों दस्तावेज नहीं खुल सके।

अदालत ने ईडी को इस मामले में जवाब तलब किया।

गौरतलब है कि श्री सिंह को ईडी ने दिल्ली में आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पिछले साल चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

भारत रत्न मिलने पर आडवाणी ने दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। भाजपा के वयोवृद्ध नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' दिए जाने पर शनिवार को राष्ट्र के प्रति विनम्रता पूर्वक कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि उन्होंने अपने जीवन को स्वयं के लिए नहीं बल्कि देश के लिए जीया। श्री आडवाणी ने भारत रत्न दिए जाने की घोषणा के बाद आज एक वक्तव्य जारी करके राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया। देश में अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के पुरोधा भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने बयान में कहा, 'मैं अत्यंत विनम्रता और कृतज्ञता के साथ 'भारत रत्न' स्वीकार करता हूं जो आज मुझे प्रदान किया गया है। यह न केवल एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए सम्मान की बात है, बल्कि उन आदर्शों और सिद्धांतों के लिए भी सम्मान है जिनकी मैंने अपनी पूरी क्षमता से जीवन भर सेवा करने का प्रयास किया।'

मोदी विपक्ष को डराकर राज करना चाहते हैं : खड़गे

बीएनएम@नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महंगाई, बेरोजगारी और एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए शनिवार को प्रधानमंत्री नातेंद्र मोदी पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे ने सबका सत्यानाश कर दिया है।

श्री खड़गे ने आज यहां गीता कालोनी के रामलीला मैदान में आयोजित 'न्याय संकल्प सम्मेलन' में उमड़ी भारी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में न्याय के पांच स्तंभ लेकर निकले हैं। वह जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसा कदम कभी किसी पार्टी के नेता ने नहीं उठाया। ये संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई है और इसमें असफल हुए तो सबको तकलीफ होगी।

उन्होंने कहा 'आज हर अख़बार में मोदी की गारंटी के नाम से विज्ञापन छपता है। हर साल दो करोड़ नौकरियां देने और लोगों के खाते में 15-15 लाख रुपये देने के वादों को पूरा नहीं किया गया है। युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों को धोखा हुआ है। दिल्ली में जो विकास हुआ वश सब कांग्रेस की देन है। सोनिया गांधी जी के समर्थन से शीला दीक्षित जी ने दिल्ली का विकास किया।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार पर हमला किया और कहा कि विभागों में 30 लाख पद खाली हैं लेकिन मोदी सरकार नौकरियां इसलिए नहीं दे रही है क्योंकि इसमें आरक्षण से एससी-एसटी और ओबीसी के लोग आएंगे। हर घंटे एक किसान और दो नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। आम आदमी पर टैक्स और जीएसटी का भारी बोझ है। मोदी सरकार अमीरों को करोड़ों रुपये कर्ज दे रही है लेकिन किसानों को देने के लिए पैसा नहीं हैं। इन्होंने छोटे व्यापारियों को मदद का भरोसा दिया लेकिन कर्ज केवल भारतीय जनता पार्टी और स्वयंसेवक संघ के लोगों को दिया गया। कांग्रेस ने जो बनाया, भाजपा उसे बेच रही है। पिछले 10 वर्षों में भाजपा लोगों की भावनाओं से खेलकर बांटो, राज करो की नीति पर चलती रही। वह भगवान को भी वोट बैंक के लिए इस्तेमाल कर रही है और सत्ता में ऐसे लोग बैठेंगे तो देश बर्बाद हो जाएगा।

मोदी ने वयोवृद्ध अभिनेता साधु मेहर के निधन पर शोक जताया

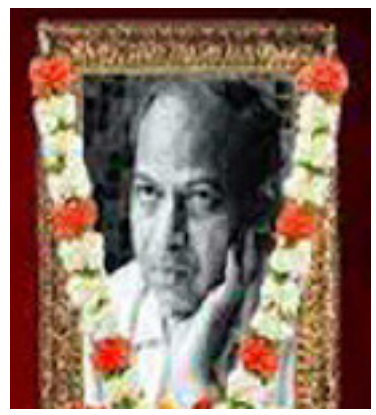

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदी और उड़िया सिनेमा के अपने जमाने के जाने माने अभिनेता, निदेशक एवं निर्माता साधु मेहर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री मेहर का शुक्रवार को 84 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया।

विस्फोटकों की तस्करी करने के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को कहा कि उसने हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों की सीमा पार तस्करी करने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश किया है और इस नेटवर्क के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। एनआईए ने कहा कि उसे देश के उत्तर पूर्वी राज्यों में संचालित सुव्यवस्थित एक बड़े पैमाने पर अवैध हथियार और गोला-बारूद आपूर्ति करने वाले नेटवर्क के संचालन के बारे में जानकारी मिली थी। उसके बाद उन्होंने इस पर कार्रवाई करते हुए गुरुवार को मुख्य आरोपी को मिजोरम के एजल से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने जांच के दौरान पता चला कि आरोपी अन्य लोगों के साथ न केवल उत्तर-पूर्वी राज्यों में बल्कि सीमा पार भी हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की तस्करी में किया करता था। एनआईए ने कहा कि आरोपी का नाम लंगाईहौमा है और वह मिजोरम का रहने वाला है। वह अंतरराष्ट्रीय सीमा पार स्थित अवैध हथियारों के तस्करी के समूहों सहित उनके विभिन्न गुर्गों के साथ मिलकर काम करता था।

हथियारों और गोला बारूद की तस्करी करने वाले समूह के मुख्य आरोपी ने इससे पहले भी देश और विदेशों में विभिन्न आतंकवादी समूह को हार्डवेयर वितरित कर चुका है। उन्होंने इन अवैध हथियारों और विस्फोटकों का इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्रों में हिंसक और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की आशंका जतायी है।

ललकार समुद्री डकैती व तस्करी को करेगा खत्म 'न्यू इंडिया'

समुद्री डकैतों की अब खैर नहीं: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विश्व व्यापारिक समुदाय को आश्वस्त किया कि 'न्यू इंडिया' ने समुद्री डकैती और तस्करी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करने की प्रतिज्ञा ली है।

श्री सिंह ने नौसेना डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में आयोजित समारोह में नौसेना के पहले विशाल सर्वेक्षण पोत आईएनएस संधायक (यार्ड 3025) नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के मौके पर कहा कि यह पोत हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भारत की एक महाशक्ति के रूप में भूमिका को और मजबूत करेगा तथा शांति और सुरक्षा बनाए रखने में भारतीय नौसेना की मदद करेगा।

रक्षा मंत्री ने नौसेना की सराहना करते हुए

कहा कि यह न केवल भारतीय जहाजों, बल्कि मित्र देशों के जहाजों को भी सुरक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने हाल ही में अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश जहाज पर ड्रोन हमले का जिक्र किया, जिसके परिणामस्वरूप तेल टैंकरों में आग लग गई। उन्होंने आग बुझाने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए भारतीय नौसेना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रयास को दुनिया ने पहचाना और सराहा।

श्री सिंह ने पिछले कुछ दिनों में पांच समुद्री डकैती के प्रयासों को विफल करने और ड्रोन तथा मिसाइलों से हमला किए गए जहाजों की सहायता करने के अलावा 80 मछुआरों एवं नौसैनिकों को बचाने के लिए भी भारतीय नौसेना की सराहना की। उन्होंने कहा, "हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना शांति और समृद्धि सुनिश्चित करते हुए सुरक्षित व्यापार की सुविधा प्रदान कर रही है। कई रक्षा विशेषज्ञ इसे एक महाशक्ति का उदय बता रहे हैं। हर किसी की रक्षा करना, हमारी संस्कृति है।"

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती ताकत के साथ, भारत न केवल क्षेत्र से, बल्कि पूरे विश्व से अराजकता को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

तीन नाबालिगों की कराई जबरन शादी, ग्राम विकास ट्रस्ट ने दर्ज कराया मामला

बीएनएम@पटना

बिहार के मधुबनी स्थित स्थानीय बाजार में लड़कियों के साथ घूमते पाए जाने पर मारपीट कर तीन नाबालिग लड़कों की जबरन शादी करवा दी गई। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के सहयोगी संगठन ग्राम विकास युवा ट्रस्ट के सहयोग से मामला दर्ज कराया गया।

ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय एसडीएम व बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी (सीएमपीओ) को लिखित अर्जी दी। सीएमपीओ ने इसके जवाब में स्थानीय थाना प्रभारी एवं प्रखंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को इस बारे में उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हालांकि, ग्रामीणों के विरोध की आशंका के कारण पुलिस इंटरमीडिएट परीक्षाओं की आड़ लेकर कार्रवाई में आनाकानी करती रही।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अंत में ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने जिले की चाइल्ड हेल्प लाइन (जिला बाल संरक्षण इकाई) और जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डालसा) से संपर्क किया। इन दोनों के हस्तक्षेप के बाद पुलिस लड़कियों के गांव पहुंची और इस संबंध में छह मामले दर्ज करने के बाद तीनों लड़कियों एवं लड़कों को बाल संरक्षण इकाई के सुपुर्द कर दिया। चाइल्ड हेल्प लाइन ने काउंसलिंग के बाद तीनों लड़कियों को अस्थायी बालिका गृह एवं लड़कों को बाल गृह भेज दिया।

पुलिस ने विवाह कराने वाले पंडित और मारपीट कर जबरन विवाह कराने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बाल विवाह मुक्त भारत के संयोजक रवि कांत ने इस घटना को प्रशासन व स्थानीय ग्रामीणों की विफलता करार देते हुए कहा कि समूचा प्रकरण कई मायनों में शर्मनाक है।

इंटरमीडिएट परीक्षा केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

बेतिया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय, पुलिस अधीक्षक, बगहा सुशांत कुमार सरोज, एसडीएम, बगहा, डॉ0 अनुपमा सिंह द्वारा शनिवार को परीक्षा केन्द्रों औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्लस टू प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, प्लस टू राजकीयकृत डी एम एकेडमी, राजकीय मध्य विद्यालय, नरईपुर, नॉर्थ बिहार सुगर मिल्स प्लस टू उच्च विद्यालय नरईपुर, बाबा भूतनाथ महाविद्यालय सहित अन्य विद्यालयों का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, केन्द्राधीक्षक एवं वीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सीटिंग प्लान, फ्रिक्सिंग स्थल, सीसीटीवी कैमरा, वीडियोग्राफी, साफ-सफाई, अन्य मूलभूत सुविधाओं आदि का जायजा लिया गया। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त पायी गयी।

नीतीश के खिलाफ मांझी मोर्चा फिर होगा खेला, सियासत हुई दिलचस्प

पटना। बिहार में बदली सियासत के बीच नीतीश कुमार के कुर्सी प्रेम पर ग्रहण हटने का नाम ही नहीं ले रहा है। हालांकि सीएम के शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार ने डैमेज कंट्रोल करते हुए मंत्रिपरिषद का विस्तार किया था। पर क्या पता था कि मंत्री पद पाए वही लोग सरकार के डैमेज के कारण बन रहे हैं। जी हां, हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी और लोजपा (आर), के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सीएम नीतीश कुमार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है।

मांझी और उनकी उम्मीद आकाश पर !
बाग़बाँ ने आग दी जब आशियाने को मिरे
जिन पे तकिया था वही पत्ते हवा देने लगे

यह मशहूर शेर जीतन राम मांझी पर फिट बैठता है। महागठबंधन के जिस बहुमत के आंकड़े को रोकने के लिए नीतीश कुमार ने जीतनराम मांझी के बेटे को प्रथम 9 मंत्रियों की सूची में शामिल किया, संयोग देखिए विरोध की अग्नि वहीं से जली। पूर्व मंत्री जीतनराम मांझी ने अब सीएम नीतीश कुमार से एक और मंत्री पद के साथ महत्वपूर्ण विभाग की भी मांग कर दी। जीतन राम मांझी का तर्क यह है कि वह महागठबंधन की तरफ से सीएम का पद ठुकरा के आए हैं, इसलिए एनडीए की सरकार कम से कम दो मंत्री पद दे। ऐसे में जब नीतीश सरकार 12 फरवरी को विधान सभा के फ्लोर पर बहुमत साबित करने का आंकड़ा संजो रही है, वहां जीतनराम चार विधायकों के समर्थन का पूरा मूल्य वसूलना चाह रही है।

हालांकि चिराग पासवान के पास एक भी विधायक नहीं है। 2020 के विधान सभा चुनाव में लोजपा के मात्र एक विधायक की जीत हुई थी। मटिहानी विधान सभा क्षेत्र से जेडीयू के विधायक नरेंद्र सिंह उर्फ बोगो सिंह को लोजपा के उम्मीदवार राज कुमार सिंह ने परास्त किया। पर वह भी बाद में लोजपा की सदस्यता छोड़ जेडीयू के सदस्य बन गए।

बिहार में नहीं पूरी हुई BJP की मुराद

CM नीतीश ने नहीं छोड़ा गृह और प्रशासन, कई अहम विभाग भी JDU के पास

बीएनएम@पटना

बिहार में मंत्रियों को विभाग तो मिल गया मगर, बीजेपी की मुराद पूरी नहीं हुई। विभागों के बंटवारे में बीजेपी की नहीं चली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गृह विभाग और सामान्य प्रशासन को नहीं छोड़ा। इसके अलावा कई अहम विभाग भी JDU के पास चला गया, जो कभी आरजेडी के पास हुआ करता था। सीएम नीतीश कुमार समेत कुल 9 मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा हुआ है। इस बात की चर्चा थी कि नई एनडीए सरकार में इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वैसी नहीं चलेगी, जैसा पहले चलाया करते थे।

6 दिन बाद बिहार के मंत्रियों को मिला विभाग

बिहार में विभागों के बंटवारे से साफ हो गया है कि बीजेपी अब भी नीतीश कुमार के सामने कुछ खास नहीं कर पाई। अब भी सरकार नीतीश कुमार के इशारे पर ही चलेगी। हाल ही में नीतीश कुमार ने पाला बदलकर बीजेपी के साथ सरकार बनाई है।

कुल 9 नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। मगर, 6 दिन बाद विभागों का बंटवारा किया गया। विभागों के बंटवारे में हो रही देरी को लेकर सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा थी कि बीजेपी किसी भी हाल में गृह विभाग छोड़ने को तैयार नहीं है। इसी वजह से विभागों के बंटवारे में पेच फंसा हुआ है। मगर, नई सरकार में जेडीयू एक बार फिर बड़े भाई की भूमिका में होगी।

शपथ ग्रहण के 6 दिन बाद विभागों का बंटवारा तो हुआ, मगर इससे एक और बात साफ हो गई कि बीजेपी ने जेडीयू के सामने हथियार डाल दिए। पहले जिन विभागों को लेकर कहा जा रहा था कि वे इस बार बीजेपी के पास जाएंगे वो जेडीयू के पास हैं।

सखी हाई कोर्ट ने पंसस को तिथि निर्धारित करने का दिया था आदेश

अविश्वास प्रस्ताव पर 13 फरवरी को पंसस की बैठक

पताही। प्रखंड के प्रमुख एवं उप प्रमुख पर लगे अविश्वास प्रस्ताव पर माननीय उच्च न्यालय पटना के आदेश के आलोक में शनिवार को आयोजित पंसस के बैठक में उप प्रमुख कृष्ण कुमार सिह के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय का सम्मान करते हुए अविश्वास प्रस्ताव का तिथि 13 फरवरी को निर्धारित किया गया है। माननीय उच्च न्यायालय में प्रखंड प्रमुख के द्वारा याचिका दायर की गई थी जिसके बाद उच्च न्यायालय से आदेश दिया गया था। कि 2 फरवरी को पंचायत समिति सदस्य की बैठक कर अविश्वास प्रस्ताव की तिथि निर्धारित करेंगे। जिसमें प्रखंड प्रमुख के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के आदेश को अवहेलना करते हुए तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए बैठक में उपस्थित नहीं हो सके थे जिसको लेकर पुनः शनिवार 15 पंचायत समिति सदस्यों द्वारा उप प्रमुख पर अविश्वास

प्रस्ताव को लेकर बैठक की गई। जिसमें माननीय उच्च न्यायालय के आदेश को सम्मान करते हुए प्रखंड उप प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह सदन में उपस्थित हुए। एव प्रखंड प्रमुख एवं उप प्रमुख पर लगे अविश्वास प्रस्ताव पर एवं 13 फरवरी को पंसस का बैठक आयोजित होने की तिथि निर्धारित की कीये। 13 फरवरी को आयोजित होने वाली बैठक में प्रखंड प्रमुख एवं उप प्रमुख पर लगे अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा एवं मतदान होगा ।माननीय उच्च न्यालय पटना के आदेश के आलोक में उप प्रमुख के अलावे 15 पंसस बैठक में उपस्थित थे। मालूम हो कि प्रखंड प्रमुख द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पर माननीय उच्च न्यालय में अविश्वास पर होने वाली बैठक को लेकर याचिका दायर किया गया था। जिसमे माननीय उच्च न्यायल ने प्रखंड प्रमुख को 2 फरवरी 2024 को सभी सदस्यों के साथ बैठक कर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिये तिथि का निर्धारित करने का आदेश दिया था। प्रमुख द्वारा बैठक में तिथि निर्धारित नही करने पर उप प्रमुख को बैठक में तिथि निर्धारण करने का आदेश दिया गया था। जिसके आलोक में उप प्रमुख द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पर तिथि 13 फरवरी को निर्धारण किया गया है। बीडीओ सम्राट जीत ने बताया कि माननीय उच्च न्यालय पटना के आदेश के आलोक में आयोजित पंसस के बैठक मे उप प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह के द्वारा तिथि का निर्धारित किया गया है। अविश्वास प्रस्ताव पर 13 फरवरी को बैठक होगा।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

अनियंत्रित गाड़ी ने चार लोगों को मारी ठोकर, घर में घुसा वाहन

घटना से उग्र लोगों पर पुलिस चटकायी लाठियां, लोगों ने पुलिस की गश्ती वाहन को किया क्षतिग्रस्त

- घटना से गुस्साये लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन
- घटना स्थल पर भारी संख्या में पहुंचा पुलिस बल
- टाटा सफारी में चालक एवं पुर्व मुखिया दीनानाथ साह के पुत्र सुरेश प्रसाद सहित चार लोग थे सवार
- मधुबन के पूर्व मुखिया दीनानाथ प्रसाद की बताई जाती है

सागर सूरज

मोतिहारी। मधुबन, तेतरिया -मधुबन पथ में थाना क्षेत्र के बाजितपुर बाजार पर शुक्रवार की देर संध्या अनियंत्रित टाटा सफारी गाड़ी ने बाजार करने आये लोगों को ठोकर मारते हुये एक घर में घुस गई। इस घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गये है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने पुलिस के साथ भी धक्का –मुक्की की।

घायलों में बाजितपुर गांव निवासी लक्ष्मण राम (45वर्ष)सुरेश साह (60 वर्ष) घेघवा गांव निवासी अवधेश राय (50वर्ष) राजेश राय (40 वर्ष) हैं। सभी घायलों को स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मधुबन पहुंचाया। घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद तीन लोगों को मोतिहारी सदर अस्पताल भेजा गया वहीं गंभीर रुप से घायल लक्ष्मण राम को मुजफ्फरपुर एसकेएमसीएच भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार उक्त वाहन मधुबन के पूर्व मुखिया दीनानाथ प्रसाद की बताई जाती है। जो मधुबन जा रही थी। इसी क्रम में उक्त घटना घटी है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन पर चालक सहित चार लोग सवार थे। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गये। मौके पर पहुंची पुलिस की गश्ती वाहन पर आक्रोशितों ने क्षति पहुंचाई है। जि स के बाद पुलिस को बल प्रयोग कर लोगों को हटाना पड़ा। मौके पर पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार पाण्डेय सहित भारी संख्या में पुलिस बल कैम्प कर रही है। चालक सहित अन्य लोगों को किसी घर में सुरक्षित रखा गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि वाहन पर सवार सभी लोग शराब के नशे मे थे वावजूद इसके तीन लोगों को पुलिस थाने से छोड़ दी वही स्थानीय थन प्रभारी से इसके मुत्तलिक बात करने का प्रयास किया गया तो बात नहीं हो सकी।

घर जलाने के मामले में दिया आवेदन

बेतिया।बैरिया थाना क्षेत्र के बैरिया शेख़टोली निवासी शेख समसुद्दीन ने थाने में आवेदन देकर बताया है कि शुक्रवार को करीब 3:30 बजे जब खेत से घास लेकर लौट रहे थे तो देखा कि शेख अफरोज, मोहम्मद कैफ व शेख लाल मेरे घर में आग लग रहे थे जब तक मैं वहां पहुंचा मेरे घर में आग लगा दिए थे। मैंने उन्हें पकड़ने की कोशिश की लेकिन मुझे धक्का देकर भाग गए । मेरे घर में मेरा खाने पीने का सारा सामान रखा हुआ था जो जलकर राख हो गया। प्रभारी थाना अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने बताया है कि आवेदन प्राप्त हुआ है जांच की जा रही है।

चकिया में हथियारबंद अपराधियो ने सीएसपी से ढाई लाख लूटे, जांच में जुटी पुलिस

मोतिहारी।जिले के चकिया थाना क्षेत्र के गवंद्रा बाजार स्थित एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र से अपराधियो ने करीब ढाई लाख रूपये की लूट की घटना को अंजाम दिया है।

घटना की जानकारी देते कोईला बेलवा पोखरिया टोला निवासी सीएसपी संचालक रूपेश कुमार ने बताया कि देर शाम जब सीएसपी को बंद करने की तैयारी कर रहे थे।इसी बीच काले और उजले रंग की दो बाइक पर सवार पांच की संख्या में अज्ञात बदमाश सीएसपी केंद्र में घुसे और हथियार के बल पर करीब ढाई लाख रूपये और मोबाइल लूट लिये।

पीड़ित रूपेश ने बताया कि सभी अपराधियो ने अपना मुंह ढंक कर हाथ में पिस्टल लेकर सीएसपी में घुसे थे।वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

घटना की बाबत चकिया डीएसपी सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एसबीआई के सीएसपी से लूट की सूचना मिलते ही चकिया थाने की पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच कर हर बिंदु पर जांच में जुटी है। आसपास के दुकानों पर लगी सीसीटीवी फुटेज एकत्रित कर अपराधियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी अपराधी गिरफ्त में होगे।

सरकार की नीतियों के खिलाफ खोला मोर्चा

बगहा।वाल्मीकि नगर स्थित प्रखंड शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान वायट परिसर में शनिवार को वर्ष 2022- 24 सत्र के डीएलएड प्रशिक्षु नई सरकार की नीतियों के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए विरोध पूर्ण प्रदर्शन किया।प्रदर्शन में भारी संख्या में छात्र एंव छात्राएं उपस्थित रहें।

छात्र- छात्राओं का नेतृत्व कर रहे अमन कुमार ने बताया कि सरकार और बीपीएससी आयोग के द्वारा कैलेंडर जारी किया गया था, कि शिक्षक बहाली की प्रक्रिया अगस्त महीने में की जाएगी और इसे मार्च माह में ही आयोजित किया जा रहा है। जिससे इस सत्र के छात्र-छात्राएं परीक्षा से वंचित हो जायेंगे। सचिव के के पाठक के द्वारा भी आश्वासन दिया गया था, किंतु सरकार बदलते ही नीतियों में बदलाव किया गया है। इस कारण सभी संस्थानों के डीएलएड प्रशिक्षुओं के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है ताकि मार्च में होने वाली परीक्षा में हम सभी छात्र एंव छात्राओं को भी शामिल होने का मौका मिले। सरकार से उम्मीद है, कि हमारी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने सरकार से अपील किया कि सरकार द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार परीक्षा ली जाए। ताकि सत्र 2022-24 के सभी डीएलएड प्रशिक्षुओं को इस परीक्षा में शामिल होने का मौका मिले।

अगलगी में 4 घर जलकर राख हुई,लाखों की हुई सम्पति बर्बाद

बेतिय। जिले में कंगली थाने के मसवास गांव में हुई अगलगी में चार घर जलकर राख हो गए। अगलगी में लाखों रुपये की सम्पति जलने का अनुमान लगाया गया है।मसवास गांव में हुई अगलगी में मदत मियां,औरंगजेब मियां,अमीन मियां,सईद मियां के घर समेत घरों रखे सभी समान जलकर राख हो गया।

ग्रामीणों की सूचना पर अग्निशमन वाहन पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने आग पर काबू ली।इस दौरान कई घर क्षतिग्रस्त हो गए।इस अगलगी में खाद्यान्न, कपड़ा, जेवरात, नगद राशि समेत सभी समान जल गये है।

अगलगी की घटना कैसे हुई इससे ग्रामीण अभी भी अनभिज्ञ है। पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पंसस प्रतिनिधि नन्दकिशोर यादव ने बताया कि अगलगी के सूचना अंचल कार्यालय व कंगली थाने को दी गई है तथा तत्काल पीड़ित परिवारों को खाने-पीने की व्यवस्था हो रही है।

सख्ती जेल मैनुअल के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं अपडेट रखने का निर्देश

जिलाधिकारी ने बगहा उपकारा का किया औचक निरीक्षण

बीएनएम@बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा शनिवार को उपकारा, बगहा का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने जेल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर बंदियों से मिल रही सुविधाओं को लेकर जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने अधीक्षक, उपकारा, बगहा को निर्देश दिया कि जेल मैनुअल के अनुरूप सभी व्यावस्थाएँ अपडेट रखें। कारा परिसर की समुचित साफ-सफाई, बंदियों को समय पर भोजन, समय पर योगाभ्यास, बीमार होने पर तुरंत ईलाज आदि की व्यवस्था करेंगे।

उन्होंने निर्देश दिया कि सीसीटीवी के माध्यम से कारा के अंदर की प्रत्येक गतिविधि पर नजर बनाएं रखें। संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहने वाले बंदियों को अन्य जेलों में ट्रांसफर करने की कार्रवाई करें। उन्होंने बंदियों के साथ अच्छा व्यवहार करने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उपकारा के बंदियों की सतत निगरानी आवश्यक है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही जेल मैनुअल के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन में भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए। नियमानुकूल निर्धारित अवधि पर बंदियों को उनके परिजनों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत करने की व्यवस्था फंक्शनल रखेंगे।

कैदी वार्ड के निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा जाड़े से बचाव हेतु उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया एवं अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि मैन्युअल के अनुसार कम्बल सहित सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाए। उन्होंने विभागीय स्तर से प्राप्त हो रही वस्तुओं को स्टॉक पंजी में संधारित करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज, एसडीएम, बगहा, डॉ0 अनुपमा सिंह, अधीक्षक उपकारा मनोज कुमार सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सात वर्षीय छात्रा से शिक्षक ने किया दुष्कर्म

मोतिहारी। जिले के पचपकड़ी थाना क्षेत्र के एक गाव में सात वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ गांव के हीं एक दरिंदे शिक्षक द्वारा बहला-फुसला कर जबरन दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है।

घटना की सूचना पर पचपककड़ी ओपी ने त्वतरित पीड़ति को इलाज हेतु मोतिहारी भेजा और आरोपी ब्यक्ति की गिरफ्तारी हेतु उसके विभिन्न ठिकानो पर छोपेमारी कर रही है। आरोपी पीड़ति के गांव के सुधीर सिंह का लगभग 40वर्षीय बेटा गुड्डू सिंह बताया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक आरोपी का घर स्कूल जाने के रास्ते में पडता है। बताया गया है कि आरोपी पीड़ति बच्ची को 500 का नोट दिखाकर और खाने का लालच देकर उसे अपने घर लाया फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस वाक्या के बाद बच्ची की स्थिति खराब होने के बाद परिजनों ने बच्ची को अस्पताल पहुंचाया। जहां वह इलाजरत है।

इस बाबत सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया है कि बच्ची का मेडिकल कराया गया है। मामले को लेकर आरोपी शिक्षक की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

डॉ. आशुतोष शरण को ज्ञानसागर सम्मान

मोतिहारी। अगरवा स्थित ज्ञानसागर पब्लिक स्कूल के 27 वें वार्षिकोत्सव में ज़लि के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. आशुतोष शरण को ज्ञानसागर सम्मान दिया गया। डॉ. शरण को यह सम्मान संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के इज़ेडसीसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में सदस्य प्रसाद रत्नेश्वर ने प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्रम देकर किया।

डॉ. शरण को यह सम्मान कोरोना काल में जान की बाज़ी लगाकर मानवता की सेवा के लिए दिया गया। विद्यालय के वार्षिकोत्सव का दीप प्रज्वलित कर उदघाटन तथा सम्मान प्राप्त कर अपने सम्बोधन में डॉ. आशुतोष शरण ने कहा कि माता-पिता से बढ़कर बच्चों का हित चिंतक कोई नहीं। इसलिए उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। उन्होंने पैसे कमाने से अधिक यश कमाने पर बल देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति का यश उसके नहीं रहने के बाद भी ज़दिा रहता है। स्वच्छता पर बल देते हुए डॉ. शरण कहा कि स्वच्छ्ता का अर्थ केवल साफ कपड़े पहनना नहीं बल्कि अपने हृदय को स्वच्छ रखना है।

विद्यालय के प्राचार्य एवं मंच संचालक धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने डॉ. शरण को ज़लि की जनसेवी प्रतिभा और बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस मौके पर डॉ. शरण एवं अन्य अतिथियों ने प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल गुप्ता, सचिव राजीव रंजन, विद्यालय के शिक्षकों सुषमा श्रीवास्तव,संगीता सिंह,रानी सिंह,ओमप्रकाश सिंह, गजेंद्र कुमार यादव, अभिषेक सिंह,शमीम अख्तर,राजीव कुमार पाण्डेय एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कलाकारों को पुरस्कृत किया। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक अनवर हुसैन ने किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

नृत्य में रिया रानी, माही, निधि, मीनाक्षी, अनन्या पाठक,रौनक राज,जाह्नवी आदि ने मन मोहा। नृत्य निर्देशक शिवम जायसवाल थे।

मोतिहारी कोर्ट से घर वापस लौट रहे किसान को गोलीमार किया घायल

मामले में आधा दर्जन आरोपित की धरपकड़ जारी

मोतिहारी। जिले के कोटवा थाना क्षेत्र के करिया नहर के समीप बदमाशों ने एक किसान को गोली मारकर घायल कर दिया।

घायल व्यक्ति थाना क्षेत्र के करिया वृति टोला का संजय राम बताया गया है जिसे परिजनों ने तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुँचाया। बताते हैं कि संजय मोतिहारी कोर्ट से अपने घर लौट रहा था जिसे घेर कर उसके साथ मारपीट करते हुए गोली मार दी गई।

इस मामले में घायल ने अपने तीन पट्टीदार समेत दो बाइक पर सवार आधा दर्जन लोगों को आरोपित किया है। पुलिस को दिए आवेदन में बताया गया है कि वह कोर्ट में अपने केस की तारीख कर घर लौट रहा था तभी करारिया नहर से वृति टोला की ओर मुड़ते ही उसके पट्टीदार अनुपम कुमार,बबलू कुमार,रंजन कुमार उर्फ राजन कुमार सहित छः लोग मारपीट करते हुए पॉकेट से 10 हजार नगद छीन लिए और भागने पर गोली मार दिया,जिसमे एक गोली पैर में लगी है।

संजय ने कहा है कि पहले उसे धक्का मार कर साइकिल से गिरा दिया गया फिर मारपीट की गई। मौके से भागने के क्रम में उसे गोली मारी गई। इस बीच घायल संजय ने अपने बेटे को कॉल घर घटना की जानकारी दी तब उसे अस्पताल पहुचाया गया। घटना के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है। मामले में थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया है कि घटना की जानकारी के बाद पुलिस पदाधिकारी को जांच के लिए भेजने के साथ ही कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सात समुन्दर पार बिहार पहुंची दुल्हन,भारतीय दूल्हा संग रचाई शादी

मोतिहारी। प्यार में लोग क्या से क्या कर जाते है। ऐसी ही एक प्रेम कहानी पूर्वी चंपारण जिले के पताही प्रखंड से सामने आई है। जहां सात समुन्दर पार इंडोनेशिया के सिबोरोगबोरोग से आई विदेशी युवती ने बिहार के पूर्वी चंपारण के पताही में हिन्दू रीति रिवाज से शादी रचाई। सात समुंदर पार से आई विदेशी युवती इंडोनेशिया के सिबोरोगबोरोग की रहने वाली सोइल्लीना मेनाक सिलाबन ने पताही प्रखंड के परसौनी कपूर निवासी अखिलेश कुमार के पुत्र हर्षवर्धन कुमार से शादी रचाई है। दरअसल दूल्हा हर्षवर्धन कुमार वर्ष 2018 में इंडोनेशिया गए। जहां वे अभी असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है वहां इंडोनेशिया के सिबोरोगबोरोग के नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी ताइवान में उनकी मुलाकात सोइल्लीना मेनाक सिलाबन से हुई।पहले दोनों में प्यार शुरू हुआ । फिर दोनों ने शादी का फैसला कर लिया।इस शादी में सोइल्लीना मेनाक सिलाबन की मां सोली सिपहुतर भी मौजूद रही।

अशोक व्यास

व्यंग्यः अ ब स द

शीर्षक पढ़कर आप लोग जरूर चौक गए होंगे कि यह अ ब स द क्या बला है। शीर्षक अ ब स द पढ़कर कुछ याद आया आपको, कुछ समझ में आया, नहीं आया ना, हिंदी माध्यम से जो पढ़े हुए हैं इस शीर्षक को पढ़कर शायद उनकी बुद्धि के कपाट जरूर खुल जाएंगे । चलिए मैं दूसरे ढंग से लिखता हूं -ए बी सी डी, कुछ समझे? आजकल तो वैसे भी हिंदी माध्यम हो या अंग्रेजी माध्यम हो एबीसीडी ही लोग जानते हैं इसलिए अ ब स द नहीं एबीसीडी कहेंगे तो सब समझ गए होंगे। अब आप कहेंगे कि इसका मतलब क्या है। हम तो ठहरे पुराने हिंदी माध्यम वाले इसलिए हमें एबीसीडी का पता नहीं था।

हमारे गणित के मास्साब जब रेखा गणित पढ़ाते थे तब वह बताते थे कि दो रेखाओं के मिलने के बिंदु के स्थान को अ ब स द कहकर समझाते थे। उस समय के मास्साब की अंग्रेजी आज के इंग्लिश मीडियम वाले टीचर से ज्यादा अच्छी थी, फिर थोड़ी प्रगति हुई तो इंग्लिश माध्यम में इनको एबीसीडी लिखने लगे। लेकिन कंप्यूटराइज युग में एबीसीडी मतलब एबीसीडी के अलावा कुछ और भी हो गया है यह रेखा, नहीं नहीं लाइन के मिलने के प्वाइंट के आगे हम कहेंगे कि किसी के नाचने के लिये थिरकते पैर जब जमीं पर टकराते है तब एबीसीडी अर्थात एनी बडी केन डांस हो जाता है। एनी बडी कैन डांस के महामंत्र ने इस देश को और इस देश में रहने वालों को चकरघिन्नी बना दिया है सब लोग घूम घूम के नाचने पर तुले हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार ब्रह्मांड का प्रत्येक ग्रह घूम रहा है। चक्कर लगा रहा है। अपनी धुरी पर या किसी दूसरे के आसपास चक्कर लगा रहा है या यूं कह लो कि नाच रहा है और आपको पता होगा कि बिंदास होकर नाचने से गुरुत्वाकर्षण टूटता है लेकिन गुरुत्वाकर्षण टूटे या ना टूटे हर आदमी को आकर्षण का केंद्र बिंदु बनाने में सबसे बड़ा योगदान डांस का होता है । इस प्रतिभा का अंतिम बूंद तक दोहन भारत में हो रहा है। नाचने की प्रतिभा का प्रदर्शन हर जेंडर के, हर उम्र के, मानव कर रहे हैं विशेषकर टीवी पर आने वाला कोई भी सीरियल हो, रियल्टी शो हो, बस नाचे जा रहे हैं, नाचने का मूड हो या ना हो, मौसम हो या ना हो, मौका हो या ना हो, दस्तूर हो या ना हो, आँगन सीधा हो या टेड़ा हो, बस उल्टा सीधा जैसा भी हो नाचे जा रहे हैं।

अब तो भारतियों की नाचने की प्रतिभा को सारे विश्व ने मान लिया है .... वही आर आर आर के नाटू नाटू याने नाचो नाचो गाने को सुनहरा भूमंडल या जिसे गोल्डन ग्लोब कहते हैं का पुरस्कार भी मिल गया है(

इस देश का प्रत्येक वयस्क अवयस्क, बच्चा बच्ची, बूढ़ा बूड़ी, पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने तक अगर कोई काम बेहतर तरीके से कर सकता है तो वह है डांस। नृत्य नहीं हुजूर आजकल नृत्य नहीं कहते डांस कहते हैं। डांस इंडिया डांस के बदले अगर नृत्य भारत नृत्य कहेंगे तो कुछ मजा नहीं आएगा क्योंकि जब प्रकृति की हर वस्तु नाच रही है तो फिर एनी बडी कैन डांस कोई भी डांस क्यों नहीं कर सकता है। एबीसीडी वन, एबीसीडी टू, एबीसीडी थ्री, फोर या आगे जितने तक गिनती चेनल वालों को आती हो। टी वी वाले हर जगह हर व्यक्ति को नचा सकते हैं।

खेत खलियान हो, डांस फ्लोर हो, चौक चौराहा हो, घर का चूल्हा चौका हो, बरामदा हो, छत हो, टेरेस हो नाच मेरी जान फटाफट हो रहा है और तो और आजकल बहू देखने के लिए हालमार्क की तरह जरूरी है एक तो उसमें संस्कार हो या ना हो सुंदर जरूर होना चाहिए, दूसरा उसे डांस करना जरूर आना चाहिए शिक्षा के साथ डांस में पारंगत होना अतिरिक्त योग्यता मानी जा सकती है।

डांस की प्रतिभा विस्फोट के लिये सोशल मीडिया के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। मौज पर डांस के वीडियो बनाकर मौज हो रही है। टिक टॉक पर डांस करते वक्त का पता ही नहीं चलता कब टिक टिक करते समय निकल जाता है। इंस्टाग्राम पर डांस का वीडियो डालकर इंस्टेंट मनोरंजन का सैलाब आ जाता है। वाट्सएप पर वाह वाह की जो वाही तबाही मचती उसका तो कहना ही क्या। वायरल फीवर से डर नहीं लगता है साहब जितना डांस वीडियो वायरल ना होने पर लगता है ।

हम यहां पर बदन तोड़ मरोड़ कर नाच कर दर्दे डिस्को हुए जा रहे हैं, अपना हुनर दिखा रहे हैं और लोग हैं कि ना तो लाइक कर रहे हैं, ना कमेंट, सबक्राईफ्स का तो सोचो ही मत। ऐसा कहीं होता है क्या? कम से कम शेयर तो कर लो उनके बाप का क्या जाता है कोई पैसा खर्च हो रहा हैं क्या। बस देख लेते है और चुपचाप आगे सरक लेते है प्रतिभा की इस देश में कोई कद्र ही नहीं करता है ।

डांस की कला का प्रदर्शन अगर देखना और वह भी लाइव तो चुनाव परिणाम वाले दिन देखना सबसे सुखद होता है। विजेता पार्टी ऑफिस के सामने महिलाएं, जवान, बुजुर्ग ढोल नगाड़ों की थाप पर जब रंग गुलाल से रंगीन होकर झूम झूम कर नाचते हैं तो ऐसा लगता है कि उनके साथ इस देश का प्लैटिनम जुबली मनाता स्वतंत्र होने का समारोह भी लहक लहक कर अमृत महोत्सव मनाते हुए नाच रहा है, झूम रहा है, मस्ती में मस्त हो रहा है।

लगता है कि मुंबईया फिल्मों की शादी डाट काम का काम तेजी से छलांग लगा रहा है मतलब यह है कि आओ बच्चों और बड़े सब दम लगा कर हईशा करें और दम लाकर नाचे ऐ बी सी डी करें या अ ब स द करें यानी अब, बड़े छोटे, सब दमदमादम करते हुए, नाचते हुए धमा चौकड़ी मचाएँ, नाटू नाटू करें।

डॉ सत्यवान सौरभ

बड़वा का प्राचीन झांग-आश्रम जहां बादशाह जहांगीर ने डाला था डेरा

भिवानी उपमंडल सिवानी के आखरी छोर पर स्थित गाँव बड़वा हिसार जिले को छूता है। हरियाणा के सबसे प्राचीन गाँवों में से एक, बड़वा पहले बड़-बड़वा के नाम से जाना जाता था। बड़वा गाँव कई इतिहासिक साक्ष्यों का गाँव है। इसकी तुलना हवेलियों के वैभवशाली गाँव से की गई है। यह गाँव प्राचीन समय से स्थापत्यकला, मूर्तिकला, साहित्य, चित्रकला, व्यवसाय, धर्म एवं शिक्षा के क्षेत्रों में उत्कृष्ट था। ऐसी ही एक धार्मिक धरोहर झांग-आश्रम को अपने भीतर समेटे है गाँव बड़वा। जिसका वैभव अपार और पहचान साकार।

झांग आश्रम बड़वा, हिसार शहर से लगभग 27 किलोमीटर दूर स्थित है। इसमें महंत पुरियों की समाध के साथ-साथ हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर है। कई शहरों से लोग इस ऐतिहासिक जगह पर आते हैं और वे आश्रम को जानना चाहते हैं और वे अपने जीवन में अनुसरण करना चाहते है।

इतिहास-संत पुरुष लोह लंगर जी महाराज प्राचीन समय में आज से लगभग पांच सौ साल पहले बड़वा के वन क्षेत्र में तपस्या करते थे। इसी दौरान 1620 ईसवी के आस-पास मुग़ल बादशाह (सलीम) जहांगीर (उत्तरी पूर्वी पंजाब की पहाड़ियों पर स्थित कांगड़ा के दुर्ग) काँगड़ा जाने के लिए इसी रस्ते से गुजरे थे। इस दौरान उनकी सेना ने आराम करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ाव डाला था। तभी इनकी मुलाकात संत पुरुष लोह लंगर जी महाराज से हुई। पीने के पानी की समस्या से त्रस्त बादशाह जहांगीर की सेना ने यहाँ तालाब की खुदाई कर डाली जो आज जहांगीर तालाब के नाम से मशहूर है।

कालक्रम- लोहा लंगर जी की मृत्यु के सालों बाद महंत बिशंबर गिरी जी ने इस आश्रम का जिम्मा संभाला और जब तक जीवित रहे यही रहकर तपस्या की और अंतत जीवंतसमाधी धारण की। उनके बाद महंत चरणपुरी महाराज ने आश्रम की परंपरा को आगे बढ़ाते हुये यहाँ धार्मिक अनुष्ठान जारी रखे और जीवंत समाधी को प्राप्त हुए। उनके बाद संत पुरुष हनुमान गिरी जी और महंत सेवागीरी जी महाराज आश्रम की गद्दी पर रहे।

मान्यता-बड़वा के झांग आश्रम के बारे गाँव और आस -पास के लोगों की मान्यता है कि झांग -आश्रम क्षेत्र क़े लिए एक आध्यात्मिक चमत्कार है। लोगों की मान्यता है कि आश्रम के संत पुरुषों के प्रताप और दैवीय शक्ति का ही परिणाम है कि बड़वा के आस-पास के क्षेत्र में ओला वृष्टि और टिड्डी दल से नुकसान झेलना पड़ता है। मगर आश्रम के आदि प्रभाव की वजह से गाँव बड़वा के क्षेत्र में ऐसा पिछले पांच सालों में भी नहीं हुआ।यही नहीं यहाँ के बुजुर्ग लोगों में एक किंवदंती भी है कि आश्रम के महाराज चरण पुरी जी मायावी शक्तियों के धनी थे। उनका दावा था कि गाँव बड़वा में कभी भी ओला वृष्टि और टिड्डी दल से एक पैसे का भी नुकसान नहीं होगा। वो एक मायावी संत थे और अपना चोला बदलने में माहिर थे। रात को वो शेर का रूप धारणकर विचरण करते थे। ये आश्रम गाँव और आस -पास के लोगों के लिए अटूट श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। लोगों को यहाँ आने पर शांति की अनुभूति जरूर होती है।

धार्मिक अनुष्ठान- वैसे तो बड़वा के झांग आश्रम में हर दिन कीर्तन-भजन और यज्ञ होते है। मगर आश्रम के सबसे प्रतिष्ठित संस्थापक संत महंत विशमबर गिरी जी की पुण्यतिथि पर एक राष्ट्रीय संत-समागम और भंडारा आश्रम की मंडली के द्वारा आयोजित किया जाता है।

डा आभा सिंह

समीक्षा: समय को फेरती है 'फरफंदो'

कोई भी पुस्तक पढ़ना असल में उस पुस्तक से गुजरना होता है। कीर्ति काले जी का नया संग्रह 'फरफंदो' अपनी नाम की ही तरह सुखद आश्चर्य को समेटे एक रोचक संग्रह है। लेखिका ने अपनी समय सुचकता से पुस्तक में एक दौर दर्शाया है। वह दौर जब समाज सुरक्षा का परिचायक हुआ करता था और बचपन अल्हड़ता का। पुस्तक एक संक्षिप्त जीवनी की तरह है जो मुख्य मुख्य घटनाओं को बड़ी प्रमुखता से प्रस्तुत करती है। जीवन के उतार चढ़ाव, संकल्प विकल्प लेखिका ने बड़ी ही स्पष्टता से बयान किए हैं। जहां एक ओर किताब मेँ पीढ़ीगत परिवर्तन नजर आता है तो वहीं दूसरी ओर सामाजिक बदलाव भी झाँकता दिखाई दे जाता है। फरफंदों को पढ़कर उस युग का पाठक एक बार समय को धन्यवाद जरूर देता है कि हमने एक ऐसे समय में बचपन बिताया जब 'बचपन बचाओ' जैसी किसी मुहिम की आवश्यकता नहीं पड़ती थी।

फरफंदों की लेखिका मूलतः एक कवियत्री है जिसकी छाप उनके शब्दचयन और प्रस्तुति की लयात्मकता में दिखाई देती है। साहित्यकार का महीन मन कितने तन्तु बुनता जाता है यह तब स्पष्ट होता है जब एक जगह लेखिका कहती है कि- पैसे का मोल जब से प्रधान होने लगा है तब से खुशियाँ वस्तु केनद्रित हो गई है।' यह वाक्य इस बात को सिद्ध करता है कि साहित्यकार जब तक समय की करवट को ना महसूस करे तब तक वह न्यायसंगत और तर्कसंगत नहीं हो सकता। एक जगह कीर्ति जी लिखती है कि 'आज हॉबी डेव्लप करने के लिए पूरा ताम झाम उपयोग में लाना पड़ता है, बावजूद इसके खुशियों की कोई गारंटी नहीं' यह वाक्य ही आज की पीढ़ी के अवसाद ग्रस्त होने की वास्तविकता है।

'महाराज सिंह की गउशाला' एक हास्यप्रधान संस्मरण है। यह होंठों पर मुस्कान और आँखों में चमक ला देती है। बाल सुलभ मासूमियत इस संस्मरण में अधिक गहन दिखाई देती है। 'मैं खो गई, बहुबाई, ऐसे प्रसंग है जो पाठक की यादों की खिड़की खोल देते हैं। 'दीपावली तब की' एक बेचैन वाक्य के साथ शुरू होता है कि, 'जब से समय ने तेज गति से भागना शुरू किया है तब से सारे तीज त्योहार हाँफने लगे हैं।

छोटे त्योहारों ने तो दम तोड़ दिया है। इस लेख में बीते दौर की गूंज साफ साफ सुनाई देती है।

फरफंदो में अभिदा और व्यंजना का चमत्कारिक प्रयोग दिखाई देता है। बंदरोबा की अभिदा में बोलती कीर्ति कहती हैं कि- बचपन संदेह करना नहीं जानता, जानता है केवल विश्वास करना'। वहीं दूसरी ओर यह वाक्य दिखाई देता है कि- इन्सल्ट-विन्सल्ट का तब आविष्कार ही नहीं हुआ था। कहना पड़ेगा की फरफंदों में मिट्टी की महक वाले बचपन की कलात्मकता तो है ही साथ ही किशोरावस्था में नई उड़ान भरने का सौंदर्यशिल्प भी है। सफलता की कीर्ति जब बढ़ने लगती है तब उम्र और अनुभव की ऊहापोह का चित्रण करते लेख माधुर्य गुण की निर्मिति करते हैं।

जहां फरफंदों में किराए का वी सी आर, ये आकाशवाणी है, आषाढ़ी एकादशी जैसे प्रतिकात्मक संस्मरण हैं वहीं आक थू ऐसा लेख है जो समय की ही नहीं तो समाज की विभीषिका को भी चित्रित करता है। इसके आस पास ही है 'फ्राक से सलवार कुर्ता' जो इस बात को रेखांकित करता है कि कोई कोई मसलों में आज भी दौर बदला नहीं है। लड़कियों की माँ तब भी चिंतित थी अब भी है। तब जाना क्या होता है मायका और पथरीली डगर की नन्ही सहयात्री आँखों की पोर भिगो देता है। 'होम डिलिवरी' एक मजेदार संस्मरण है। वैसे तो पुस्तक कहीं भी तारतम्यता टूटने नहीं देती लेकिन 'होम डिलिवरी पढ़कर मुस्कान ठहाका लगाने लगती है। समझ आता है की लेखिका गद्य और पद्य दोनों विधाओं की पारंगत है। स्त्री की बेचैनी जब मौका मिलते ही जीवन की अभिधा को व्यंजना में पिरो देती है और लक्ष्य संधान चूकता भी नहीं तब होम डिलिवरी जैसे संस्मरण यादगार बनते है। इस निष्पत्ति का एक सफल प्रयोग है फरफंदों। जितना आत्मीय पुस्तक का शीर्षक है उतना ही सफल इसका शिल्प है। निसंदेह पाठक इसे पढ़कर महसूस करता है कि बचपन की गलियों में घूमना कितना सुखद है। पैंतालीस संस्मरणों से बंधी यह पुस्तक संबंधों की घनिष्ठता का परिवर्तित होता रूप जानने के लिए एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर है।

40 की उम्र के बाद फिट रहने के लिए फॉलो करें ये डाइट

आधुनिक समय में फिट रहना बेहद कठिन टास्क है। खासकर, 40 की उम्र के बाद सेहतमंद रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। इस उम्र में दिल की बीमारी, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, किडनी और लिवर संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके लिए सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरुरत पड़ती है। इसमें सही दिनचर्या का पालन, उचित खानपान, रोजाना योग और एक्सरसाइज जरूर करें। वहीं, सेहतमंद रहने के लिए डाइट प्लान में व्यापक सुधार करें। लापरवाही बरतने पर बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप 40+ ग्रुप में शामिल हैं, तो सेहतमंद रहने के लिए फॉलो करें ये डाइट प्लान--हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो 40 की उम्र के बाद व्यक्ति को खाने में दूध, दही समेत डेयरी उत्पादों का कम से कम उपयोग करें। डेयरी उत्पादों से कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है। वहीं, इस उम्र में मेटाबॉलिज़्म धीमा हो जाता है। इसके लिए सुबह के नाश्ते में डेयरी उत्पादों का कम सेवन करें। वहीं, डाइट में अंडे, ताजे फल आदि चीजों को जरूर शामिल करें।

40 साल के बाद फल और सब्जियों का अधिक से अधिक सेवन करना चाहिए। इनमें कैलोरी कम होती है। वहीं, फल और सब्जियों में कई गुणकारी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। इसके लिए लंच में फल और सब्जियों का अधिक से अधिक सेवन करें।

शाम के समय स्नैक्स में सूखे मेवे और अंकुरित अनाज यानी स्प्राउट्स का सेवन करें। वहीं, तली-भुनी चीजों का सेवन बिल्कुल न करें। इससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा रहता है।

रात के खाने में प्रोटीन रिच फ़ूड चीजों का सेवन अधिक से अधिक करें। एक चीज का अवश्य ध्यान रखें कि कोई भी मील स्किप न करें। वहीं, रोजाना योग, एक्सरसाइज और वॉकिंग जरूर करें। इस डाइट प्लान को फॉलो करने से आप सेहतमंद रह सकते हैं।

नींद पूरी होने के बाद भी रहती है कमज़ोरी, तो कमी दूर करेंगे ये फूड्स

विटामिन-B12 एक ऐसा पोषक तत्व है, जिसकी मदद से हमारा शरीर कई तरह के काम करता है, जैसे- डीएनए सिन्थसिस, एनर्जी का उत्पादन और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र कार्य। यह विटामिन कई तरह के फूड्स में पाया जाता है, लेकिन फिर बी12 की शरीर में कमी आम बात है।

इसकी कमी के कारण लोग रात भर की नींद लेकर भी सुबह तरोताज़ा महसूस नहीं करते। सुबह उठते ही उन्हें मॉर्निंग सिकनेस या कमज़ोरी लगने लगती है। सिर्फ इतना ही नहीं खुद को बिस्तर से उठाना तक मुश्किल हो जाता है। विटामिन बी12 की शरीर में कमी खान-पान में कमी या फिर किसी बीमारी के कारण होती है।

एक शोध के अनुसार, 60 साल की उम्र से ऊपर के करीब 20 प्रतिशत लोग विटामिन-बी12 की कमी से जूझते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि खाने से विटामिन-बी12 को अवशोषित करने की क्षमता उम्र के साथ घटती जाती है, इसलिए इसकी कमी आमतौर पर उम्रदराज़ लोगों में देखी जाती है।हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि बच्चे, नौजवान लोग इसकी कमी से नहीं जूझ सकते।

साथ ही यह एक ऐसी कमी है जिसे ज़्यादातर मामलों में नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या फिर सही तरह से डायग्नोज़ नहीं किया जाता। जिसकी वजह से कमज़ोरी, चक्कर आना, भूख न लगना और हर वक्त थकावट आपको लगातार परेशान करती है। तो ऐसे में आइए जानें कि ऐसे कौन-से फूड्स हैं, जो कमज़ोरी को दूर करने का काम करते हैं।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि बच्चे, नौजवान लोग इसकी कमी से नहीं जूझ सकते। साथ ही यह एक ऐसी कमी है जिसे ज़्यादातर मामलों में नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या फिर सही तरह से डायग्नोज़ नहीं किया जाता। जिसकी वजह से कमज़ोरी, चक्कर आना, भूख न लगना और हर वक्त थकावट आपको लगातार परेशान करती है। तो ऐसे में आइए जानें कि ऐसे कौन-से फूड्स हैं, जो कमज़ोरी को दूर करने का काम करते हैं।

चिकन, मटन, बीफ में विटामिन-बी12 की अच्छी मात्रा होती है। खासतौर पर ऑर्गन मीट में जैसे लिवर या किडनी में विटामिन-बी12 भरपूर होता है।

दूध और दही, चीज़ जैसे अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स भी प्रोटीन और कैल्शियम के अलावा कई विटामिन्स और खनीज से भी भरे होते हैं, जिसमें बी12 भी शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि अध्ययनों से पता चला है कि आपका शरीर बीफ, मछली या अंडे की तुलना में दूध और डेयरी उत्पादों से बेहतर तरीके से विटामिन-बी12 को अवशोषित करता है।

अंडे भी प्रोटीन के साथ विटामिन-बी, विशेष रूप से बी 2 और बी 12 का एक बड़ा स्रोत हैं। रिसर्च से पता चलता है कि अंडे की ज़र्दी में सफेद हिस्से की तुलना विटामिन-बी12 की ज़्यादा मात्रा होती है। अंडे की जर्दी में मौजूद बी12 को अवशोषित करना भी आसान होता है। यही वजह है कि सिर्फ सफेदी खान की जगह पूरा अंड़ा खाने की सलाह दी जाती है।

अंडा वेज या नॉनवेज ?

अंडा खाना सेहत के काफी लाभदायक होता है। आपने कई लोगों को कहते सुना होगा, 'संडे हो या मंडे, रोज खाओ अंडे।' जो लोग नॉनवेज खाते हैं वो तो अंडे आसानी से खा लेते हैं, लेकिन शाकाहारी लोगों के सामने ये काफी दुविधा जनक होता है। आज हम आपका ये कंफ्यूजन खत्म करेंगे। हम आपको बताएंगे कि आखिर अंडा शाकाहारी होता है या मासांहारी।

लोगों के हैं तर्क

कुछ लोगों का मानना है कि यह नॉनवेज कैटिगरी में आता है क्योंकि इसे मुर्गी देती है। इस सवाल का जवाब जवाब वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाला है। इस पर वैज्ञानिकों ने एक थ्योरी भी दी है, हालांकि कुछ ऐसे लोग भी उनकी इस थ्योरी को सही नहीं ठहरा रहे हैं। इसे लेकर लोगों के अलग-अलग तर्क हैं। शाकाहारी लोग मानते हैं कि अंडा मुर्गी देती है इसलिए वह नॉन-वेज माना जाएगा।

हालांकि लोगों के इस तर्क को विज्ञान झूठा साबित करता है। इसके पीछे वैज्ञानिकों का तर्क है कि दूध भी जानवर से आता है तो वो कैसे शाकाहारी हो गया?

बाजार में मिलने वाले अंडे होते हैं अनफर्टिलाइज्ड

वहीं कुछ लोगों का मानना है कि अंडे से चूजा निकलता है इसलिए यह मांसाहारी है। जबकि बाजार में मिलने वाले सारे अंडे अनफर्टिलाइज्ड होते हैं। यानी इन अंडों से कभी भी चूजे बाहर नहीं निकलते। इस बात की गलतफहमी दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने भी साइंस के जरिए इस सवाल का जवाब तलाशा है। अगर इस तर्क को मान लिया जाए तो अंडा शाकाहारी हुआ।

अंडे में होती हैं तीन परतें

अंडे में तीन परते होती हैं। पहली छिल्का, दूसरी सफेदी और तीसरा अंडे की जर्दी यानी योक। योक मतलब पीला हिस्सा। अंडे पर की गई एक रिसर्च के अनुसार इसकी सफेदी में ही सिर्फ प्रोटीन ही होता है। इसमें जानवर का कोई भी हिस्सा मौजूद नहीं होता है। इसलिए

तकनीकी रूप से एग वाइट यानी सफेदी वेज होती है।

जर्दी में भी होता है प्रोटीन और कोलेस्ट्रोल

एग वाइट की ही तरह एग योक यानी जर्दी में भी प्रोटीन के साथ कोलेस्ट्रोल और फैट अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। अंडा मुर्गी और मुर्गे के संपर्क में आने के बाद ही पनपता है। उनमें गैमीट सेल्स होते हैं जो उसे मांसाहारी बना देते हैं। जबकि बाजार वाले अंडों में ऐसा कुछ नहीं होता है।

मुर्गी 6 महीने होने के बाद से अंडे देने लगती है। वह हर 1 या डेढ़ दिन में अंडे देती है, लेकिन बता दें कि ऐसा बिल्कुल नहीं होता कि मुर्गी किसी भी मुर्गे के साथ संपर्क में जरूर आए।

सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्बिटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैसजैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है। वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिंस और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूस निकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने की जगह अनानास खाएं।

3. एप्पल जूस

जहां रोज़ाना एक सेब खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता और इन बीजों में एमिग्डैलिन केमिकल पाया जाता है।

साहित्यिक हलचल

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

डॉ सत्यवान सौरभ

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है।

भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है।

किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए।

समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं।

> **साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।**

साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं।

हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी।प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए।

इसने 5,000 के जुर्माने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करना: विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(B) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया।

यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है। भारत में शिक्षा प्रणाली दूसरों के प्रति सहिष्णुता, करुणा और सम्मान को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। लोगों को विविधता, एक बहुलवादी समाज के महत्व और भारत की एकता में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के उद्भव ने हेट स्पीच के निर्माण, पैकेजिंग और प्रसार के लिए कई मंच तैयार किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टीवी बहसों पर हेट स्पीच के संबंध में भी चिंता जताई है। इसलिए इन माध्यमों को विनियमित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. हेट स्पीच लोकतंत्र के दो प्रमुख सिद्धांतों- सभी के लिए समान सम्मान की गारंटी और समग्रता की सार्वजनिक भलाई, को खतरे में डालती है। मीडिया द्वारा एक आचार संहिता को अपनाने, निजी और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा स्व-नियमन और बहुलवाद का सम्मान करने के महत्व और हेट स्पीच से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

2020 में हेट स्पीच के मामलों में कन्विक्शन रेट 20.4% था। जिससे यह पता चलता है कि मामले तो दर्ज़ होते हैं लेकिन सजा नहीं दी जाती, जिससे लोगों के अंदर डर की भावना पनप नहीं पाती और ऐसे ही सामाजिक सद्भाव और समाज के ताने बाने से खिलवाड़ की जाती रहती है।

कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

नमिता गुप्ता मनसी

प्रेम में संवाद..

सुनों बुद्धू राम !!!!
इतने भी चुप मत रहा करो
कि सबको सुनाई देने लगे !!

क्या बोलूं..
कुछ है ही नहीं..
वहीं रोज़ का काम !
तुम ही कुछ बोलो न,
हमेशा की तरह..

हम्मम,,,
ठीक है..मैं ही शुरू करती हूं,
अच्छा बताओ..
तुमने कभी पीला पत्ता देखा है ?
लो ..देखो ,
पता है न
ये अब कभी हरा नहीं होगा ,
ध्यान से पढ़ो इसकी एक-एक लकीर को
मानों इतिहास हो
सभी जाते हुए मौसमों का ,

देखो न..
ठीक जहां से छूटा है ये
वहीं से फूटने लगा है
थोऽऽऽड़ा सा हरापन ,
हमारा प्रेम भी कुछ ऐसा ही है न
बिल्कुल इस पीले पत्ते की तरह ,
है न !!

वह बोला
कुछ देर रुककर..

हम्म्म.
तो अब क्या जरूरत है शाब्दिक औपचारिकता की ,
ये पीला पत्ता ही हमारे प्रेम का संवाद है ,,
हैं न !!
समझी नालायक लड़की !!!!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

गरिमा लखनवी

राम चरित

रामजी ने जन्म लिया,
माता-पिता का मान बढ़ाया धर्म,
मातृभूमि की रक्षा करना,
सबको यह पाठ पढ़ाया,
अपने चरित्र का मान करके,
दुनिया को सही रास्ता दिखाया,
राम जी जैसा पुरुष इस दुनिया में कोई नहीं,
पिता को दिए वचन को उन्होंने पूरा कर दिया,
मर्यादा का हम सबको पाठ पढ़ाया,
पत्नी धर्म का मान बढ़ाया,
राम जी जैसा कोई नहीं,
जो भी उन्हें सेवक मिला,
उसको उन्होंने गले लगाया,
राम नाम का जो जाप करता,
वो दुनिया से तर जाता है ,
एक पुत्र पिता राजा का मान बढ़ाया,
उनके चरणों में कोटि कोटि प्रणाम हमारा।।

लघुकथाः मुलाकात

वीरेंद्र बहादुर सिंह

कालेज में पढ़ने वाली ऋजुता अभी तीन महीने पहले ही फेसबुक से मयंक के परिचय में आई थी। दोनों घंटों चैट करते थे। शुरू-शुरू में दोनों में औपचारिक बातें ही होती थीं।

धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रणय की बातें होने लगी थीं। दोनों एकदूसरे का फोटो भी लेनेदेने लगे थे। मयंक ने एक दिन ऋजुता के सामने विवाह का प्रस्ताव रख दिया। ऋजुता उसकी बातों से काफी प्रभावित थी।

वह उसे अच्छा भी लगने लगा था। इसलिए उसने मयंक से एक बार मिलने की बात कही। मयंक ने भी उसकी बात मान ली।

मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

> **मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।**

मयंक पहले से ही हाथ में बुके लिए खड़ा था। ऋजुता आश्चर्य से उसे देखती रह गई।

वह कुछ सोच पाती, उसके पहले ही 45 साल का वह अधेड़ आदमी हाथ में बुके ले कर भागते हुए उसके पास आ कर बोला, हाय ऋजुता, कैसी हो? मैं मयंक, यह बुके तुम्हारे लिए।

ऋजुता के तो पैरों के तले से जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छा गया।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ0प्र0)
मो-8368681336

सविता राज, मुजफ्फरपुर, बिहार

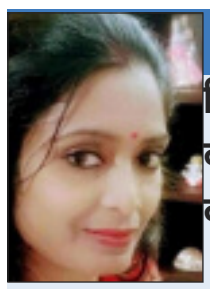

चित्र बुजुर्ग कामवाली की

जर्जर हालात,
दीन हीन कृशकाय,
गिरता स्वास्थ्य ,
मैली कुचैली साड़ी,
दो वक्त के निवाले को मोहताज,
आखों में गमों का समुद्र,
नाउम्मीदी से घिरा जीवन,
बेटे बहु की मोहताज,
चार पांच घरों में काम करके,
घर को अपने सींचती थी,
औरों के घरों की,
साफ सफाई करके,
चंद पैसे जोड़ती थी
आज बुढ़ापे ने
छीन लिया सर्वस्व
सबने काम छुड़ा दिया,
वर्षों तक जहां काम किया,
वहां से मिलता न वृद्धाभत्ता,
न कोई पगार,
दाने दाने को हो गई मोहताज,
ये चित्र है समाज में,
बुजुर्ग हो चली कामवालियों की।
सरकार करे या समाज करे,
कोई तो इन बेबस अबलाओं की,
समस्याओं का निदान करे।

है बेदाग स्किन की चाहत? तो आपकी परेशानी का हल है यह एक जूस

साफ और बेदाग त्वचा कौन नहीं चाहता, लेकिन इसे पाने का सबसे अच्छा ज़रिया नैचुरल उपाय है। त्वचा को हेल्दी बनाने के लिए ज़रूरी है कि हम खानपान पर ध्यान दें। घर पर भी आप अपनी त्वचा को कई तरीकों से हेल्दी बना सकती हैं। इसके लिए सही खाद्य पदार्थों का चयन अहम है। अगर आप भी लंबे समय से बेदाग त्वचा की ख्वाहिश रख रही हैं, तो हम आपको बता रहे हैं ऐसे जूस के बारे में जो आपका काम आसान कर सकता है।

घर पर बने ताज़ा जूस से न सिर्फ आपके शरीर से टॉक्सिन्स निकल जाएंगे, बल्कि आपकी सम्पूर्ण सेहत को भी फायदा पहुंचेगा। जिससे आप उम्र भर स्वस्थ त्वचा पा सकती है। हम बता रहे हैं ऐसी जादुई ड्रिंक के बारे में जो ज़रूरी विटामिन्स और पोषक तत्वों से भरी होती है और जो स्किन को बेदाग बनाने का भी काम करती है। इस जूस के लिए आपको चाहिए होगा खीरा, नींबू, अदरक और केल।

खीरा एक नैचुरल हाइड्रेटिंग सब्ज़ी है, जिसमें पानी की मात्रा काफी ज़्यादा होती है। यह विटामिन-के और बीटा-केरोटीन से भी भरा होता है, जो शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल्स से निपटते हैं। नींबू विटामिन-सी और फाइबर से भरा होता है, जो त्वचा से जुड़ी कई मुश्किलों को दूर करने की शक्ति रखता है। अदरक में भी एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया को मार गिराते हैं। इन सभी चीज़ों का अगर मिलाकर सवन किया जाए, तो इससे आपको साफ और चमकती त्वचा मिल सकती है। केल एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, कैल्शियम और विटामिन्स से भरा होता है। एंटीइंफ्लेमेटरी यह सब्ज़ी बैक्टीरिया की ग्रोथ को रोकने का काम करती है। आप चाहें तो केल की जगह पालक का भी उपयोग कर सकती हैं।

खीरा एक नैचुरल हाइड्रेटिंग सब्ज़ी है, जिसमें पानी की मात्रा काफी ज़्यादा होती है। यह विटामिन-के और बीटा-केरोटीन से भी भरा होता है, जो शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल्स से निपटते हैं।

ऐसे आसानी से बनाएं ये जूस

1. सभी चीज़ों को पानी से अच्छी तरह धो लें। आप इन्हें कुछ देर पानी के एक कटोरे में डुबोकर भी रख सकते हैं।
2. सबसे पहले मिक्सी में केल डालें, फिर अदरक, नींबू और खीरा डाल दें। अब इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक यह सभी चीज़ें अच्छी तरह पिस न जाएं। अगर आपको पल्प वाला जूस पसंद है, तो इसे थोड़ा कम पीसें।
3. इस जूस को किसी एयर-टाइट जार में भर दें और कुछ देर फ्रिज में रख दें। फिर इसे फ्रिज से निकालकर गिलास में डालें और पुदीने से गार्निश कर पी लें।

तुलसी की पत्तियों से मिलते हैं ढेरों फायदे

तुलसी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई रोगों से बचाने में सहायक है। तुलसी का इस्तेमाल भोजन से लेकर दवाओं तक में किया जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स मौजूद होते हैं। तुलसी में जिंक, आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी, ए, ई, के आदि पाए जाते हैं।

यह एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बायोटिक्स गुणों से भरपूर होता है। शारीरिक बीमारियों के साथ बाल और स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में तुलसी काफी सहायक है।

सर्दी–खांसी

तुलसी की पत्तियों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी वायरल गुण मौजूद होते हैं। जो किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने में मदद कर सकते हैं। अगर आपको सर्दी-खांसी की समस्या है, तो आप तुलसी की चाय पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए पानी में 8-10 तुलसी की पत्तियां डालें, अब इसे उबाल लें। फिर इसे छानकर गुनगुना कर लें। आप नियमित रूप से इसका सेवन कर सकते हैं। यह खांसी में कारगर साबित हो सकता है।

मुंह की बदबू

अगर मुंह से बदबू आती हैं, इससे राहत पाने के लिए आप तुलसी की पत्तियों का सेवन कर सकते हैं। यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप रोजाना तुलसी की 4-5 पत्तियों को चबाकर खा सकते हैं।

त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए

अगर आप स्किन की समस्याओं से परेशान हैं, तो तुलसी की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मुंहासे, खुजली जैसी समस्या से बचाने में मदद करती हैं। इसके लिए आप तुलसी की पत्तियों का पेस्ट तैयार कर लें, अब इसे मुल्तानी मिट्टी में मिलाएं। इस मिश्रण को आप चेहरे पर लगा सकते हैं। हफ्ते में इस प्रक्रिया को दो बार कर सकते हैं।

मेमोरी बूस्टर

तुलसी में एंटी डिप्रेसेंट्स गुण मौजूद होते हैं, जो ब्रेन के लिए लाभदायक है। इसके नियमित सेवन से याददाश्त मजबूत हो सकती है। मेमोरी बूस्ट करने के लिए आप रोजाना खाली पेट तुलसी की 5-6 पत्तियां चबाकर खा सकते हैं या इसकी चाय भी पी सकते हैं।

आंखों के लिए

एक रिपोर्ट के अनुसार तुलसी की पत्तियों में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। मार्केट में कई आयुर्वेदिक आई ड्रप्स उपलब्ध हैं, जिनमें इसकी पत्तियों का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसका उपयोग करने से पहले डॉक्टर से जरूर परामर्श लें।

अल्जाइमर को नजरअंदाज करना पड़ सकता है सेहत पर भारी

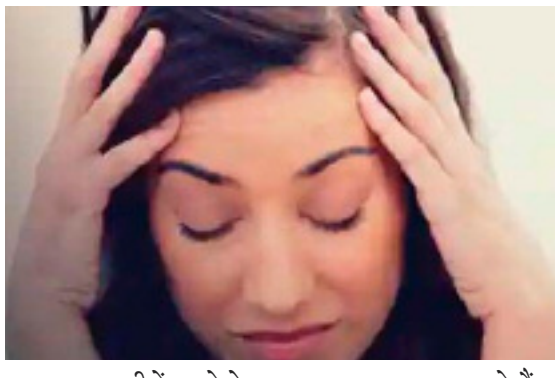

क्या आप चीजें रखने के बाद अक्सर भूल जाया करते हैं या फिर आपको किसी चीज को याद करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, अगर इन सवालों का जवाब हां में है तो आप अल्जाइमर रोग के शिकार हो सकते हैं।अल्जाइमर रोग दुनियाभर में तेजी से बढ़ते न्यूरोलॉजिकल विकारों में से एक है। इसे डेमेंशिया का सबसे सामान्य प्रकार भी माना जाता है। अल्जाइमर रोग के कारण लोगों का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो सकता है। ऐसे मेंआइए जानते हैं आखिर क्या है अल्जाइमर रोग, इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या है अल्जाइमर रोग–

अल्जाइमर रोग एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं, कई मामलों में मस्तिष्क में सिकुड़न की भी समस्या हो सकती है। आसान शब्दों में समझें तो अल्जाइमर रोग एक मानसिक विकार है, जिसके कारण मरीज की याद्दाश्त कमजोर हो जाती है और उसका असर दिमाग के कार्यों पर पड़ता है।आमतौर पर यह मध्यम उम्र या वृद्धावस्था में दिमाग के ऊतकों को नुकसान पहुंचने के कारण होता है।यह डिमेंशिया का सबसे आम प्रकार है, जिसका असर व्यक्ति की याद्दाश्त, सोचने की क्षमता, रोजमर्रा की गतिविधियों पर पड़ता है

अल्जाइमर के लक्षण–

-आपकी दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाली स्मृति में कमी
-समस्या सुलझाने में कठिनाई
-भाषण या लेखन के साथ परेशानी
-समय या स्थानों के बारे में भ्रमित हो जाना
-निर्णय लेने में कमी
-व्यक्तिगत स्वच्छता में कमी
-मनोदशा और व्यक्तित्व में परिवर्तन
-दोस्तों, परिवार और समाज से दूरी
-धूम्रपान से बचें ।
-नियमित रूप से व्यायाम करें।